RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : गुरुवार 04 अगस्त 2022 वर्ष 04 अंक 95 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

शिंदे गुट के विधायक सामंत की
कार पर हमला
6 अगस्त तक सभी को पुलिस की हिरासत में भेजा गया

मुंबई : महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और शिवसेना (शिंदे गुट) के बागी विधायक उदय सामंत की कार पर कथित हमला मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है. महाराष्ट्र पुलिस ने इस मामले में शिवसेना की पुणे शहर इकाई के अध्यक्ष और हिंगोली से पार्टी के नेता सहित कुल 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया है. पुलिस अधिकारी ने बुधवार को इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि पांच आरोपियों को पुणे से पकड़ा गया, जबकि हिंगोली के शिवसेना नेता बबन थोराट को मुंबई में हिरासत मे लिया गया. बबन थोराट को पुणे लाया गया और गिरफ्तार किया गया. उन पर शिवसेना के कार्यकर्ताओं को विधायक उदय सामंत की कार पर हमले के लिए उकसाने का आरोप है. इन सभी को स्थानीय अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें 6 अगस्त तक पुलिस की हिरासत में भेज दिया गया.

पुणे शहर के कटराज इलाके में मंगलवार रात करीब 9 बजे एक ट्रैफिक सिग्नल पर अज्ञात लोगों ने सामंत की कार पर हमला किया था. विधायक उदय सामंत के वाहन को घेरने की कोशिश कर रही भीड़ का एक वीडियो सोशल मीडिया पर आया जिसमें लोग नारेबाजी भी करते नजर आ रहे हैं. मंगलवार देर रात भारती विद्यापीठ पुलिस थाने में हत्या के प्रयास सहित भारतीय दंड संहिता (क्ढउ) की विभिन्न धाराओं के तहत 15 से अधिक लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया. बागी विधायक के एक करीबी सूत्र ने बताया कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का समर्थन करने वाले शिवसेना के 40 विधायकों में से एक सामंत यहां जिले में शिंदे के कार्यक्रमों में शामिल होने आए थे. उदय सामंत के करीबी सहयोगी ने कहा था कि घटना में उस कार का एक शीशा क्षतिग्रस्त हो गया, जिसमें पूर्व मंत्री यात्रा कर रहे थे. जिस समय यह घटना हुई, उसी समय के आसपास शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे की जनसभा समीपवर्ती इलाके में हुई थी. उदय सामंत ने बाद में संवाददाताओं से कहा था कि उनकी कार पर हमला पूर्व नियोजित था.

आनंद दिघे के भतीजे केदार दिघे और उनके दोस्त रोहित कपूर के खिलाफ
मामला दर्ज

ठाणे : एनएम जोशी मार्ग पुलिस ने दिवंगत शिवसेना नेता आनंद दिघे के भतीजे केदार दिघे के खिलाफ एक बलात्कार पीड़िता को पुलिस में शिकायत दर्ज कराने के खिलाफ कथित रूप से धमकी देने का मामला दर्ज किया है। पुलिस ने केदार के दोस्त रोहित कपूर के खिलाफ भी 20 वर्षीय महिला का कथित रूप से यौन शोषण करने का मामला दर्ज किया है।\

दिघे के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 506 के तहत शिकायत दर्ज की गई है जो आपराधिक धमकी से संबंधित है जबकि कपूर के खिलाफ आईपीसी की धारा 376 (बलात्कार) के तहत शिकायत दर्ज की गई है। यह उद्धव ठाकरे द्वारा दीघे को शिवसेना के ठाणे जिला प्रमुख के रूप में नियुक्त किए जाने के कुछ दिनों बाद आता है।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने पुष्टि की, ह्लहमने केदार दिघे और उनके दोस्त रोहित कपूर के खिलाफ मामला दर्ज किया है।ह्व पुलिस ने यह भी कहा कि उन्हें कपूर के खिलाफ शिकायत मिली है, जिन्होंने कथित तौर पर एक 20 वर्षीय महिला का यौन शोषण किया है। जहां कपूर पर अपराध करने का आरोप है, वहीं केदार दिघे पर महिला को धमकी देने का आरोप है कि वह पुलिस के पास न जाए।

हालांकि, शिकायतकर्ता ने सोमवार को मामला दर्ज करने के लिए पुलिस से संपर्क किया। ह्वपीड़िता के बयान के आधार पर, हमने भारतीय दंड संहिता के तहत बलात्कार और आपराधिक धमकी का अपराध दर्ज किया है। मामले में आगे की पूछताछ जारी है, ह्वपुलिस अधिकारियों में से एक को उद्धृत किया गया था।

पीड़ित महिला मुंबई के एक नामी होटल में काम करती है। पीड़िता की ओर से दर्ज कराई गई शिकायत के मुताबिक आरोपी रोहित कपूर ने उसे होटल की प्रीमियम मेंबरशिप के बारे में जानने के लिए अपने कमरे में बुलाया था. जब वह कपूर को नियम और शर्तें समझा रही थीं, तो उन्होंने खुद को उस पर मजबूर कर दिया। जब पीड़ित सामना इसके बारे में बाद में, कपूर ने कथित तौर पर उसकी चुप्पी के बदले में उसे पैसे की पेशकश की, और कपूर के परिचित दीघे ने कथित तौर पर उसे धमकी दी।

केदार दिघे दिवंगत शिवसेना नेता आनंद दिघे के भतीजे हैं, जिन्होंने 1980 और 90 के दशक में ठाणे में शिवसेना संगठन के सदस्यों को तैयार किया और अपनी मृत्यु तक जिले की राजनीति पर हावी रहे। वह महाराष्ट्र के वर्तमान सीएम एकनाथ शिंदे के गुरु भी हैं, जिन्होंने पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे से अलग होकर भारतीय जनता पार्टी से हाथ मिलाया और हिंदुत्व के लिए काम किया।

मुंबई को हॉकर्स फ्री बनाने के लिए बीएमसी का नया प्लान
संरक्षण देने वाले दुकानदारों पर गिरेगी गाज...!

मुंबई : मुंबई के बाजारों में हॉकर्स का अतिक्रमण जारी है. ये हाल तब है जब बीएमसी द्वारा कई बार छापेमारी की जा चुकी है. वहीं अब बीएमसी ने इन हॉकर्स के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का मन बना दिया है. इसके तहत अब बीएमसी उन दुकानों और प्राइवेट परिसरों के खिलाफ कार्रवाई करेगी जो इन स्ट्रीट वेंडरों को संरक्षण देते हैं और उन्हें अपना सामान रखने के लिए जगह देते हैं.

हॉकर्स को बढ़ावा देने वाले दुकानों के लाइसेंस हो सकते हैं रद्द

रिपोर्ट के मुताबिक सूत्रों से जानकारी मिली है कि बीएमसी उन दुकानों के लाइसेंस भी रद्द कर सकती है जो फेरीवालों को बढ़ावा देते हैं. मंगलवार को एएलएम सदस्यों और पुलिस के साथ बैठक में एच-वेस्ट वार्ड के अधिकारियों ने गड़बड़ी करने वाले दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई का भरोसा भी दिया.

साउथ मुंबई से हॉकर्स हटाने के लिए BMC ने बनाई थी ये योजना

बता दें कि इससे पहले बीएमसी ने साउथ मुंबई के विभिन्न सार्वजनिक स्थानों से अवैध हॉकरों के अतिक्रमण को हटाने के लिए एनजीओ, और मैनपावर सप्लाई करने वाली फर्मों जैसी बाहरी एजेंसियों से मैनपावर नियुक्त करने की योजना बनाई थी. गौरतलब है कि सैंडहर्स्ट रोड, डोंगरी और भिंडी बाजार जैसे भीड़भाड़ वाले इलाकों को कवर करने वाले बीएमसी के बी-वार्ड विभाग, ने इस संबंध में एक सार्वजनिक नोटिस जारी किया था, जिसमें अतिक्रमण हटाने के लिए मैनपावर की नियुक्ति की मांग की गई थी. वहीं हाल ही में एडिशनल म्यूनिसिपल कमिश्नर (शहर) आशीष शर्मा ने कहा था कि मुंबई में हॉकरों की समस्या से निपटने के लिए कड़ा रुख अपनाया जाएगा. इससे पहले शर्मा ने सभी वार्ड अधिकारियों को अपने-अपने वार्डों में अतिक्रमित फुटपाथों और सार्वजनिक स्थानों की पहचान करने के लिए एक सर्वे करने के भी निर्देश दिए थे.

पानसरे हत्या : मामले की जांच
महाराष्ट्र ATS को ट्रांसफर

मुंबई. बॉम्बे हाई कोर्ट ने सामाजिक कार्यकर्ता गोविंद पानसरे की हत्या के मामले की जांच बुधवार को महाराष्ट्र के आतंकवाद-रोधी दस्ते (एटीएस) को ट्रांसफर कर दी है. अब तक महाराष्ट्र के अपराध जांच विभाग (सीआईडी) का विशेष जांच दल (एसआईटी) मामले की जांच कर रहा था. मामले पर न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और न्यायमूर्ति शर्मिला देशमुख की खंडपीठ ने कहा कि वह पानसरे के परिवार द्वारा दाखिल आवेदन को स्वीकार करते हुए मामले की जांच एटीएस को ट्रांसफर करती है. पानसरे के परिवार के सदस्यों ने याचिका दाखिल कर विशेष दल से जांच कराने की अपील की थी. जिसके बाद बॉम्बे हाई कोर्ट के आदेश पर 2015 में एसआईटी का गठन किया गया था.

पानसरे को 16 फरवरी 2015 को कोल्हापुर में गोली मार दी गई थी और कुछ दिन बाद 20 फरवरी को उनकी मौत हो गई थी. मामले की जांच करने वाली सीआईडी की टीम ने कुछ लोगों को गिरफ्तार किया था. कार्यकर्ता के परिवार ने पिछले महीने हाई कोर्ट में अर्जी दाखिल कर इस मामले की जांच एटीएस को ट्रांसफर करने की मांग की थी. परिवार के लोगों ने दावा किया था कि एसआईटी अभी तक इस मामले में कोई सफलता हासिल नहीं कर पाई है.

संपादकीय / लेख

महंगाई से ज्यादा खतरनाक...!

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

'गुरु क्या रिजर्व बैंक महंगाई रोक लेगा?' लगभग कातर मुद्रा में चेले ने चाय सुड़कते हुए गुरु से पूछा। 'बेट्टा, रिजर्व बैंक महंगाई नहीं रोक सकता। वह तो बढ़ ही गई है। बैंक केवल महंगाई बढ़ने की संभावना रोक सकता है।' 'क्या?' चेले के दिमाग में सवालों का सितार बजने लगा।

सुना नहीं, आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने पिछले सप्ताह बैंक ऑफ बड़ौदा के बैंकर्स कॉन्क्लेव में यही तो कहा है। रिजर्व बैंक खौफजदा है क्योंकि महंगाई से खतरनाक होती है उसके बढ़ते जाने की संभावना। अब तो यह भारत के उपभोक्ताओं की खपत का तरीका बदल रही है। रिसर्च फर्म कांतार की ताजा स्टडी बताती है कि 2020 की तुलना में उपभोक्ता दुकानों पर ज्यादा जा रहे हैं लेकिन खरीद 7% कम हो गई है। उपभोक्ता-सामानों की करीब 28% खरीद 1, 5, 10, 20 रु. की पैकिंग पर सिमट गई है। इन पैकेज की बिक्री 11% (2020 में 7%) बढ़ी है। कंपनियों ने इनकी कीमतें बढ़ाई हैं, सामान की मात्रा घटाई है। करीब 68% उपभोक्ता सामान और शत प्रतिशत खाद्य उत्पाद 10 रुपए से कम कीमत में उपलब्ध हैं।

सनद रहे यही वह छोटा पैकेट वर्ग है, जिसमें अनब्रांडेड सामानों पर सरकार ने जीएसटी लगाया है। महंगाई से सिकुड़ती खपत पर टैक्स बढ़ रहा है। बदलता उपभोक्ता-व्यवहार महंगाई के बढ़ते जाने की संभावना का प्रमाण है। महंगाई से लड़ाई में यह रिजर्व बैंक की हार के शुरूआती संकेत हैं। कई वर्षों में यह पहला मौका है जब महंगाई सभी घरों में फैल गई है।

पहले महंगाई का दबाव खाद्य और ईंधन के वर्ग में रहता था। बुनियादी महंगाई नियंत्रण में थी इसलिए खुदरा कीमतों में आग भड़ककर ठंडी हो जाती थी। क्रिसिल का ताजा अध्ययन बताता है कि खुदरा मूल्य सूचकांक के खाद्य सामानों वाले हिस्से (भार 46%) में महंगाई जमकर बैठ गई है।

बीते एक साल में भारत में खाद्य उत्पादन लागत करीब 21% बढ़ी है। यह थोक मूल्य सूचकांक की कुल बढ़त से भी ज्यादा है। वित्त वर्ष 2022 में डीजल की थोक महंगाई 52.2%, उर्वरक की 7.8%, कीटनाशकों की 12.4% और पशु चारे की महंगाई 17.7% बढ़ी है। अर्थात खाद्य महंगाई का तीर कमान से छूट चुका है। ईंधन की महंगाई पर टैक्स में ताजा कमी का असर नहीं हुआ। कच्चे तेल की कीमत 90 डॉलर प्रति बैरल से सरकारी अनुमान से ऊपर जा चुकी है। 100-110 डॉलर प्रति बैरल नया सामान्य है। कच्चे तेल की कीमत में 10 डॉलर प्रति बैरल की बढ़ोतरी से खुदरा महंगाई करीब 40 प्रतिशतांक बढ़ती है। रुपए की कमजोरी से महंगाई बढ़ने की संभावना को ईंधन मिल रहा है। कोर इन्फ्लेशन (खाद्य और ईंधन रहित महंगाई) दो साल से रिजर्व बैंक लक्ष्य यानी 5% से ऊपर है। यही खुदरा महंगाई की सबसे बड़ी ताकत है। कोर इन्फ्लेशन खुदरा मूल्य सूचकांक में 47% का हिस्सा रखती है, जो हिस्सा खाद्य उत्पादों से भी ज्यादा है। थोक महंगाई 15% की प्रचंड तेजी पर है और बीते एक साल से खौल रही है।

गैर खाद्य थोक महंगाई तो 16% से ऊपर है। थोक कीमतों में बढ़त का पूरा असर हमारी जेब तक नहीं आया है, क्योंकि खुदरा महंगाई इसकी आधी यानी औसत 6-7% पर है। करीब 43 उद्योगों में 800 बड़ी और मझोली कंपनियों के अध्ययन के आधार पर क्रिसिल को पता चला कि कच्चे माल की महंगाई से कंपनियों के मार्जिन में 1 से 2% की कमी आएगी। इसलिए मांग न होने के बाद भी कीमतों में बढ़ोतरी जारी है।

editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

अहंकारी राजा' की छवि चमकाने में अरबों रुपए फूंक रही सरकार - राहुल गांधी

नई दिल्ली : केंद्र की सत्ता में बैठे मोदी की छवि 'अहंकारी राजा' के रूप में हो गई है। एक तरफ जहां महंगाई से जनता परेशान है, वहीं 'अहंकारी राजा' की छवि चमकाने के लिए अरबों रुपए सरकार फूंक रही है। राहुल गांधी ने कहा कि महंगाई और 'गब्बर सिंह टैक्स' आम आदमी की आय पर सीधा प्रहार है। आज की वास्तविकता यह है कि आम इंसान अपने सपनों के लिए नहीं बल्कि २ वक्त की रोटी के लिए संघर्ष कर रहा है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने संसद में सत्तापक्ष की ओर से महंगाई होने की बात को खारिज किए जाने को लेकर केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि देश की जनता परेशान है लेकिन सरकार एक 'अहंकारी राजा' की छवि चमकाने के लिए अरबों रुपए फूंक रही है।

उन्होंने यह भी कहा कि 'तानाशाही' सरकार चाहती है कि उसकी हर बात पर विश्वास किया जाए, लेकिन ऐसा नहीं होने वाला है, क्योंकि कांग्रेस उसके खिलाफ लड़ती रहेगी। राहुल गांधी ने जनता को संबोधित करते हुए एक फेसबुक पोस्ट में कहा कि खुद को अकेला मत समझना, कांग्रेस आपकी आवाज है और आप कांग्रेस की ताकत। तानाशाह के हर फरमान से, जनता की आवाज दबाने की हर कोशिश से हमें लड़ना है। आपके लिए, मैं और कांग्रेस पार्टी लड़ते आ रहे हैं और आगे भी लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि आज देश में किन मुद्दों पर विचार-विमर्श होना चाहिए, यह आप अच्छे से जानते हैं क्योंकि सरकार की हर गलत नीति का असर आपके जीवन पर पड़ रहा है। कांग्रेस नेता ने कहा कि संसद के इस मानसून सत्र में हम सरकार से जनता के सवालों के जवाब मांगना चाह रहे थे।

संजय राऊत को क्यो किया जा रहा परेशान ?- सांसद जया बच्चन

मुंबई : ईडी द्वारा शिवसेना नेता व सांसद संजय राऊत की गिरफ्तारी पर राज्य के साथ ही संसद में भी कड़ी प्रतिक्रिया दी जा रही है। दिग्गज अभिनेत्री और सांसद जया बच्चन ने भी संजय राऊत की गिरफ्तारी पर अपना गुस्सा जाहिर करते हुए तीखा सवाल पूछा है कि केवल ११ लाख रुपए के लिए उन्हें क्यों इतना परेशान किया जा रहा है? उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा है कि इन सबके लिए भाजपा जिम्मेदार है।

तलाक-ए-हसन: सुप्रीम कोर्ट में एक और याचिका दायर

मुंबई की महिला ने लगाई इसे रोकने की गुहार

मुंबई : तीन तलाक के बाद अब ''तलाक-ए-हसन के खिलाफ आवाज उठ नी शुरू हो गइ है. सुप्रीम कोर्ट में एक और याचिका इसके खिलाफ दायर की गई है. तलाक ए हसन जो मुस्लिम महिलाओं के लिए तीन तलाक जैसा ही है, जिसमें शादी शुदा मर्द तीन महीने में तीन बार एक निश्चि अवधि तक तलाक बोलकर अपनी शादी तोड़ सकता है. इस तलाक का प्रारूप भी तीन तलाक की तरह एकतरफा है. इस एकतरफा और अतिरिक्त-न्यायिक तलाक के अन्य सभी रूपों'' की प्रथा को असंवैधानिक घोषित करने के लिए सुप्रीम कोर्ट में एक और याचिका दायर की गई है.

बता दें कि इससे पहले भी एक मुस्लिम महिला द्वारा दायर याचिका में केंद्र से ''सभी नागरिकों के लिए तलाक के लिंग तटस्थ धर्म तटस्थ समान आधार और तलाक की समान प्रक्रिया'' के लिए दिशानिर्देश तैयार करने की मांग की गई थी. अधिवक्ता आशुतोष दुबे द्वारा दायर याचिका में ''तलाक-ए-हसन और एकतरफा अतिरिक्त-न्यायिक तलाक के अन्य सभी रूपों'' की प्रथा को मनमाना, तर्कहीन और अनुच्छेद 14, 15 का उल्लंघन करने के लिए शून्य और असंवैधानिक घोषित करने के लिए निर्देश जारी करने की मांग की गई.

जिसने तलाक ए हसन को लेकर सवाल उठाए हैं और अपनी याचिका लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंची हैं, वो याचिकाकर्ता मुंबई की निवासी है, उसने खुद को एकतरफा अतिरिक्त न्यायिक तलाक-ए-हसन का शिकार होने का दावा किया और कहा कि वह समाज की सामाजिक-आर्थिक रूप से दलित और हाशिए की महिलाओं के विकास के लिए यह जनहित याचिका दायर कर रही है, जो ज्यादातर पुरुषों के लिए काम कर रहे हैं. तलाक ए हसन से, तलाक के अवैध, मनमाने और अन्यायपूर्ण रूपों के माध्यम से अपने पतियों द्वारा अपमानित, मुस्लिम पुरुषों द्वारा अपनी पत्नियों को किसी न किसी कारण से परेशान करने और प्रताड़ित करने के लिए व्यापक रूप से अभ्यास किया जाता है.

विदर्भ व मराठवाड़ा के बाढ़ग्रस्त की तुरंत मदद करो ! अजीत पवार

मुंबई : विदर्भ व मराठवाड़ा के बाढ़ग्रस्त हिस्सों का दौरा करने के बाद नेता प्रतिपक्ष अजीत पवार ने राज्य सरकार से पीड़ित किसानों को तुरंत मदद करने की मांग की है। कल मुंबई में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में वे मीडिया से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पीड़ित किसानों को तत्काल नुकसान भरपाई मिले, इसके लिए आज मुख्यमंत्री को पत्र देंगे। आज कैबिनेट की बैठक है, यह केवल 'दो लोगों' की महत्वपूर्ण बैठक है, जिसमें दो लोग होंगे और सामने ४५ कुर्सियां होंगी, ऐसा तंज भी अजीत पवार ने इस मौके पर 'दो लोगों' की सरकार पर कसा। उन्होंने कहा कि किसानों की हजारों एकड़ खेती बर्बाद हो गई है, लेकिन केंद्र की टीम आज तक निरीक्षण करने के लिए नहीं आई। ऐसा लगता है कि महाराष्ट्र के किसानों की बबार्दी से केंद्र सरकार का कुछ लेना-देना नहीं है। कई बाढ़ग्रस्त भागों में अब तक पंचनामे नहीं हुए हैं, किसानों को तत्काल मदद मिलनी चाहिए, वह मिली नहीं। केवल कुछ जगहों पर हुई जनहानि के लिए वहां चार लाख की मदद मिली है, परंतु यह मदद मामूली है। इसमें बढ़ोतरी होनी चाहिए। किसानों के पशुधन, घर, दुकान, बाग आदि का नुकसान हुआ है। मुख्यमंत्री सत्कार में मशगूल हैं, किसानों की तरफ सरकार का ध्यान न देना असंवेदनशीलता को दशार्ता है, ऐसा पवार ने कहा। जिन जगहों पर फसलों का नुकसान हुआ है उन्हें ७५ हजार रुपए हेक्टेयर, और फलों के बाग की नुकसान भरपाई डेढ़ लाख रुपए तत्काल देने की मांग पवार ने की। साथ ही बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों के छात्रों की फीस माफ करने की भी मांग उन्होंने की।

स्वाइन फ्लू को बेजान करने के लिए एक लाख टीकों की खरीददारी

मुंबई : महाराष्ट्र में जुलाई महीने के दौरान स्वाइन फ्लू के मामलों में तेजी से वृद्धि हुई है। राज्य के विभिन्न जिलों में इस बीमारी की चपेट में आए कई मरीजों की जान जा चुकी है, जिसे गंभीरता से लेते हुए राज्य स्वास्थ्य विभाग ने मरीजों की जान बचाने और स्वाइन फ्लू को बेजान करने के लिए एक लाख टीकों की खरीददारी की है। इन टीकों के स्टॉक को राज्य के विभिन्न जिलों में उपलब्ध कराया जा रहा है।

यह वैक्सीन गर्भवती महिलाओं, स्वास्थ्यकर्मियों जैसे जोखिम समूहों में शामिल लोगों के लिए जिलों में भेजी जा रही है। राज्य में जुलाई से स्वाइन फ्लू का प्रकोप बढ़ता ही जा रहा है। इसकी चपेट में आए मरीजों की संख्या १७३ को पार कर गई है, जबकि नौ लोगों की मौत भी हो चुकी है। कोरोना काल में स्वाइन फ्लू का प्रसार तुलनात्मक रूप से कम था। इससे संक्रमितों और मृतकों की संख्या में भी काफी कमी आई लेकिन कोरोना के कम होने के बाद स्वाइन फ्लू का प्रसार फिर से बढ़ने लगा है। स्वाइन फ्लू का सबसे अधिक खतरा गर्भवती महिलाएं, ६५ वर्ष से अधिक आयु के लोग,

दो थप्पड़ ने सुदेश लहरी को बना दिया इतना बड़ा 'कॉमेडियन'...

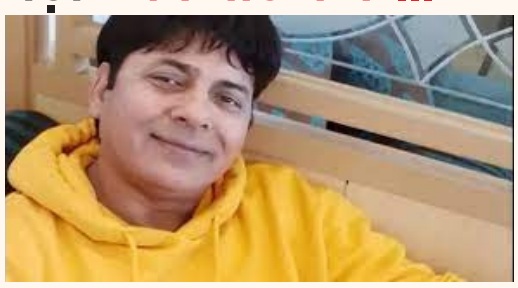

कपिल शर्मा शो के कॉमेडियन सुदेश लहरी हालही में मनीष पॉल के शो पर आए. शो के दौरान सुदेश ने अपनी जिंदगी के उन अनुभवों को साझा किया जिसने उनकी जिंदगी ही बदल डाली. सुदेश ने बताया कि उन्हें दो बार थप्पड़ खाना पड़ा लेकिन उस थप्पड़ ने उन्हें एक फेमस कॉमेडियन बना दिया. मनीष के साथ बातचीत के दौरान सुदेश ने बताया कि जब वे छोटे थे तब अपनी जीविका के लिए ऑर्केस्ट्रा किया करते थे. लेकिन एक दिन एक शराबी ने उन्हें दो थप्पड़ मारे. इस थप्पड़ ने लहरी के अंदर ऐसी आग पैदा कि जिससे वो एक कॉमेडियन बन गए. सुदेश ने आगे बताया कि उस थप्पड़ के बाद उन्होंने तब तक ऑर्केस्ट्रा न करने का फैसला किया जब तक कि वो अपना अच्छा करियर नहीं बना लेते. सुदेश ने अपनी कैसेट बनाई और से हिट हुई. इस कैसेट ने ही पंजाबी इंडस्ट्री में सुदेश के लिए दरवाजे खोले. यही सुदेश की जिंदगी का टर्निंग प्वाइंट था. इसी के बाद सुदेश को लाफ्टर चैलेंज का प्लेटफॉर्म मिला.

आमिर खान पर भड़कीं कंगना रणौत, कहा- उन्होंने हिंदूफोबिक 'पीके' बनाई और अब...

आमिर खान की 'लाल सिंह चड्ढा' रिलीज होने के लिए पूरी तरह से तैयार है लेकिन उससे पहले फिल्म का बहिष्कार शुरू हो चुका है। सोशल मीडिया पर कुछ लोग आमिर खान के पुराने बयानों की वजह से इस फिल्म को बायकॉट करने की बात कह रहे हैं। हालांकि आमिर खान ने इस ट्रेंड के बाद यह साफ तौर पर कह दिया है कि उन्हें गलत समझा जा रहा है। वह भी अपने देश से बहुत प्यार करते हैं। इस बीच कंगना रणौत भी इस विवाद में कूद पड़ी हैं। एक्ट्रेस ने आमिर पर एक ऐसा आरोप लगाया है जिसे जानकर आप हैरान रह जाएंगे।

कंगना ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की है जिसमें उन्होंने आमिर पर आरोप लगाया है कि फिल्म का बहिष्कार उन्होंने ही शुरू करवाया है। एक्ट्रेस ने इंस्टा पर एक नोट शेयर किया है जिसमें उन्होंने हैशटैग 'बायकॉट लाल सिंह चड्ढा' का मास्टरमाइंड बताया है। उनके मुताबिक आमिर ने जान बूझकर फिल्म की रिलीज से पहले इस विवाद को शुरू किया। कंगना के मुताबिक आमिर खान को यह डर सता रहा है कि कहीं चार साल बाद आ रही उनकी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप न हो जाए। इसी वजह से उन्होंने इस फिल्म को लेकर विवाद शुरू किया है।

मुंबादेवी फोर्ट और माटुंगा में मनपा बनाएगी भूमिगत पार्किंग

- खर्च होंगे 280 करोड़

मुंबईः मनपा ने मुंबई के भीड़भाड़ वाले इलाके मुंबादेवी फोर्ट और माटुंगा में भूमिगत पार्किंग बनाने का फैसला किया है।मनपा ने इसके लिए निविदा निकाली है। मनपा उपायुक्त उल्हास महाले ने बताया कि हमने उन एरिया की पहचान की है जहां पार्किंग की सबसे अधिक जरूरत है। इसलिए प्राथमिकता के आधार पर हुतात्मा चौक परिसर में पुरानी पार्किंग की जगह का विकास कर अंडरग्राउंड पार्किंग बनाई जाएगी। जहां पर 200 गाड़ियां पार्क की जा सकेंगी। यहाँ पर पुरानी पार्किंग बनी है जिसकी क्षमता अभी 56 गाड़ी खड़ी करने की है। मनपा का इस पर 53 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। इसी तरह माटुंगा पूर्व में स्टेशन के पास मनपा की पार्किंग है, वहां रोबोटिक एलिवेटेड पार्किंग बनाया जायेगा जिसमे 475 खड़ी हो सकेगी । अभी यहां पर 100 गाड़ी खड़ी हो रही है। इसी तरह मुंबादेवी में 540 गाडी खड़ी करने की पार्किंग व्यवस्था की जा रही है इस तरह मनपा आने वाले दिनों में कुल मिलाकर 1200 पार्किंग तैयार करने की मनपा की योजना है। जिसके लिए मनपा ने निविदा निकाली है। मनपा ने हुतात्मा चौक के पास अंडर ग्राउंड पार्किंग बनाने का निर्णय कई साल पहले लिया था। लेकिन सर्वे में पता चला कि इस परिसर में वाहनों की संख्या को देखते हुए अंडर ग्राउंड पार्किंग काफी महंगी होगी। इसलिए प्रोजेक्ट को ठंडे बस्ते में डाल दिया था। अब एक बार फिर से मनपा ने यहां अंडर ग्राउंड पार्किंग बनाने का निर्णय लिया है। महाले ने कहा कि मुंबई में प्रतिदिन गाड़ियों की संख्या बढ़ रही है जिससे ट्रैफिक के साथ पार्किंग की समस्या भी बढ़ गई है। मनपा मुंबई में 29 पब्लिक पार्किंग चलाती है। लेकिन यह गाड़ियों की संख्या को देखते हुए पर्याप्त नहीं है। इस कारण लोग सड़क के किनारे व स्ट्रीट पर गाड़ियों को पार्क कर देते हैं। जिससे ट्रैफिक की समस्या पैदा होती है। इसलिए मनपा ने मुंबई के सभी जोन में अंडर ग्राउंड पार्किंग की सुविधा उपलब्ध कराने का फैसला किया है। पार्किंग सुविधा के लिए मनपा 280 करोड़ रुपए खर्च करेगी।

मुंबई में दुल्हनों का 'सौदा', गिरोह लड़कियों को बहला-फुसलाकर उनकी करता था तस्करी...

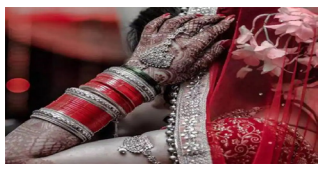

मुंबई : मुंबईमें एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। पुलिस ने एक शातिर गिरोह का भंडाफोड़ किया है, जो लड़कियों को बहला-फुसलाकर उनकी तस्करी करता था। मामला नासिक ग्रामीण का है, जहां पुलिस ने शादी के लिए लड़कियों की तस्करी करने वाले एक कथित गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस गिरोह में 5 लोग शामिल हैं। गैंग का खुलासा तब हुआ, जब एक नाबालिग लापता हो गई थी। पुलिस अधीक्षक (एसपी) सचिन पाटिल ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि बीती 23 जुलाई को नासिक के ओझार से 14 साल की एक नाबालिग लापता हो गई थी। उसको ढूंढने के लिए सबसे पहले पुलिस ने आस-पास के सीसीटीवी कमरों के फुटेज देखे।

सचिन पाटिल के मुताबिक इस दौरान पुलिस को प्रियंका देवीदास पाटिल नाम की आरोपी का पता चला। इसके बाद उसने पुलिस को बताया कि उसने अपनी दोस्त रत्न ा वीरकम कोली की मदद से धुले जिले के शिरपुर में एक महिला और एक पुरुष को 1.75 लाख रुपये में उस लड़की को बेच दिया है। सचिन पाटिल ने बताया कि पुलिस ने तुरंत आरोपी रत्ना कोली और सुरेखाबाई जागो भिला को शिरपुर से गिरफ्तार किया। इसके बाद पुलिस पूछताछ में दोनों महिलाओं ने बताया कि उन्होंने अपहरण की गई नाबालिग को शादी के लिए गुजरात के वडोदरा भेज दिया है। सचिन पाटिल ने बताया कि इसके बाद पुलिस के एक टीम बनाई और नाबालिग को मध्य प्रदेश के खरगोन जिले से छुड़ाया। इस दौरान पुलिस ने गोविंद नानूराम मंसारे और नानूराम येदु मंसारे को गिरफ्तार किया है।

टैक्स वसूलने में ठाणे मनपा सख्त! ३४४ करोड़ रुपए जमा इस वर्ष २९ प्रतिशत की वृद्धि

ठाणे : ठाणे मनपा द्वारा ५०० वर्ग फुट के मकानों को दी गई रियायत के बावजूद इस साल संपत्ति कर वसूली में २९ प्रतिशत की वृद्धि हुई है। बड़े कर बकाएदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के परिणामस्वरूप पहले चार महीनों में ३३ प्रतिशत की अपेक्षा ४५ प्रतिशत राजस्व की वसूली हुई। जुलाई के अंत तक ३४४ करोड़ रुपए की वसूली की गई है। कर संग्रह पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में २९ प्रतिशत अधिक है। शनिवार को छुट्टी के दिन भी मनपा ने १५ करोड़ से अधिक की वसूली की।

बता दें कि पिछले दो वर्षों में कोरोना के कारण मनपा को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है, इसलिए मनपा ने इस वर्ष कर वसूली पर विशेष जोर दिया है। कर विभाग उपायुक्त गजानन गोदापुरे ने विशेष उपायोजना कर वसूली को तेज कर दिया है। इतना ही नहीं प्रत्येक प्रभाग समिति को कर वसूली के लिए लक्ष्य दिया गया है। ठाणे मनपा द्वारा मिली जानकारी के अनुसार मनपा कर विभाग ने कुल ७७० करोड़ रुपए का लक्ष्य निश्चित किया है। इसमें से ३४४ करोड़ रुपए की कर वसूली की जा चुकी है, जबकि शेष वसूली भी निश्चित समय के भीतर कर ली जाएगी, ऐसा मनपा अधिकारियों का मानना है। मनपा द्वारा मिली जानकारी के अनुसार ठाणे मनपा ने ऑनलाइन कर भरने की सुविधा नागरिकों को दी थी, जिसका अच्छा प्रतिसाद मिला है। केवल ऑनलाइन तरीके से कुल १०६ करोड़ रुपए की वसूली की जा चुकी है, जबकि ऑफलाइन तरीके से कुल २३८ करोड़ रुपए की वसूली की गई है।

नवाब मलिक पर गलत आरोप, आरटीआई के जरिए खुलासा

मुंबई : मुंबई राकांपा नेता नवाब मलिक के मामले में सूचना के अधिकार (आरटीआई) के जरिए एक नया खुलासा हुआ है। इसके जरिए ईडी की सच्चाई सामने आ गई है कि उन पर गलत आरोप लगाया है। मलिक की कानूनी टीम ने सूचना के अधिकार (आरटीआई) के जरिए खुलासा किया है कि मलिक की जमीन की बिक्री फर्जी नहीं थी। इसके लेन-देन में कोई अनियमितता नहीं बरती गई थी। बता दें कि मलिक ने गोवावाला वंष्ठपाउंड से जुड़ी ३ एकड़ जमीन के मामले में जमानत याचिका दायर की है। उसी पर सुनवाई के दौरान ईडी द्वारा किए गए दावे का आरटीआई से ब्यौरा हासिल कर खंडन किया गया है। ईडी की कार्रवाई पर विपक्ष सवाल उठा रहा है। इस बीच नवाब मलिक की कानूनी टीम ने यह खुलासा किया है।

गौरतलब है कि ईडी ने आरोप लगाया था कि मलिक ने अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम की बहन हसीना पारकर के गुर्गे सलीम पटेल से संपत्ति खरीदी थी। ईडी की ओर से यह भी दावा किया गया था कि इस लेन-देन से मिले पैसे को आतंकवाद से जुड़ी गतिविधियों (टेरर पंष्ठडिंग) के लिए मुहैया कराया गया था। इस मामले में ईडी द्वारा पेश किए गए मुख्य सबूत अप्रेंटिस सलीम पटेल के पास जमीन के मालिक मुनीरा प्लंबर का जाली पॉवर ऑफ अटॉर्नी (पीओए) था। केंद्रीय जांच एजेंसी के मुताबिक कुर्ला में ३ एकड़ के गोवावाला वंष्ठपाउंड के मालिक ने उस पर कब्जा कर लिया था। प्लंबर ने पटेल को कुछ पैसे देकर पॉवर ऑफ अटॉर्नी की मदद से अतिक्रमण हटा लिया था। मलिक ने कहा था कि पटेल ने कुर्ला में संपत्ति बेचने के लिए एक प्लंबर द्वारा हस्ताक्षरित पॉवर ऑफ अटॉर्नी दिखाया था। ईडी को दिए गए प्लंबर के बयान के मुताबिक उन्होंने संपत्ति बेचने के लिए कभी भी पावर ऑफ अटॉर्नी नहीं दी थी। ईडी ने कहा कि संपत्ति की बिक्री नवाब मलिक, सलीम पटेल और हसीना पारकर की साजिश में की गई थी इसलिए सभी संबंधित दस्तावेज जाली थे।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : गुरुवार 04 अगस्त 2022

पुराने वार्डों के आधार पर BMC चुनाव!

देवेंद्र फडणवीस से मिला कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल

मुंबई : महानगरपालिका चुनाव के लिए भले ही वार्डों के आरक्षण की प्रक्रिया पूरी हो गयी है, लेकिन सरकार वर्ष 2017 में किए गए वार्ड परिसीमन के आधार पर ही चुनाव करने पर विचार कर रही है। महाविकास आघाड़ी सरकार के समय मुंबई महानगरपालिका के वार्डों की संख्या 227 से बढ़ा कर 236 कर दी गयी है। बीजेपी सहित कांग्रेस सहित अन्य राजनीतिक दलों ने वार्ड परिसीमन को अवैध बताते हुए पुराने परिसीमन के आधार पर ही चुनाव कराने की मांग की है। राज्य में मंत्रिमंडल विस्तार के बाद इस संदर्भ में निर्णय लिए जाने की जानकारी सूत्रों ने दी है। महाविकास आघाड़ी सरकार की तरफ से वार्डों की संख्या में बढ़ोत्तरी का विधेयक जब लाया गया था, तब बीजेपी ने इसका पुरजोर विरोध किया था। यही नहीं यह मामला अदालत में भी पहुंचा था। सर्वोच्च न्यायालय ने ओबीसी आरक्षण के बगैर चुनाव कराने का आदेश राज्य चुनाव आयोग को दिया था। उसके बाद चुनाव आयोग के निर्देश पर ओबीसी को छोड़ वार्डों के आरक्षण की लॉटरी निकाली गयी, लेकिन सर्वोच्च न्यायालय की तरफ से ओबीसी का राजनीतिक आरक्षण बहाल किए जाने के बाद ओबीसी उम्मीदवारों के लिए दोबारा आरक्षण की लॉटरी निकाली गयी, लेकिन वार्डों के परिसीमन और लॉटरी प्रक्रिया से शिवसेना को छोड़ कोई खुश नहीं है।

निर्णय बदला जा सकता है: चंद्रकांत पाटिल

राज्य में शिंदे-फडणवीस सरकार अस्थित होने के बाद बीजेपी महासचिव चंद्रशेखर बावनकुले के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात कर 227 वार्डों के आधार पर ही महानगरपालिका चुनाव कराने की मांग की थी। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल का कहना है कि सही मायने में वर्ष 2017 में हुए परिसीमन के आधार पर ही स्थानीय निकायों का चुनाव कराया जाना चाहिए। जब तक जनसंख्या का डेटा नहीं मिलता है तब तक कैसे कह सकते हैं कि मतदाताओं की संख्या में बढ़ोत्तरी हुई है। जब वार्डों की संख्या बढ़ा कर नए सिरे से परिसीमन का निर्णय सरकार ने लिया था उसी समय बीजेपी ने विरोध किया था, लेकिन लोकतंत्र में संख्या बल महत्वपूर्ण होता है।

मिहिर कोटेचा ने भी लगाया गड़बड़ी का आरोप

बीजेपी के प्रदेश कोषाध्यक्ष और मुलुंड के विधायक मिहिर कोटेचा भी गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए वार्डों के आरक्षण को गलत बताया है। कोटेचा ने इस संदर्भ में बीएमसी कमिश्नर को पत्र भी लिखा है।जिसमें उन्होंने कहा है कि ओबीसी सीटों के आरक्षण के मामले में बीएमसी चुनाव अधिकारी ने राज्य चुनाव आयोग कार्यालय के सामने झूठा डेटा पेश किया है।

पुल से फेंकने पर बच गया तो चाकु से घोंप-घोंपकर ले ली जान...

दोनों आरोपी हुए अरेस्ट!

भायंदर : पकड़े जाने के डर से अपहर्ता अफजल मोहमद हनीफ अंसारी (22)- निवासी पूनम सागर, मीरा रोड और इमरान नूरहसन शेख (25) मुंशी कंपाउंड, काशीमीरा से अगवा करने के बाद मयंक ठाकुर (13) को नायगांव में पहले पुल से नीचे फेंक कर मारने की कोशिश की, लेकिन वह बच गया और लंगड़ते हुए ऊपर आने लगा तो आरोपियों ने बड़ी क्रूरता से चाकू घोंप-घोंपकर उसकी हत्या कर दी। डीसीपी अमित काले ने दावा किया कि सिर्फ फिरौती के लिए ही बच्चे को अगवा किया था। उन्होंने बताया की आरोपी अफजल सैलून और इमरान गैरेज खोलना चाहता था। इसके लिए दोनों ने अगवा कर फिरौती वसूलने की योजना बनाई । जिसके तहत अफजल ने बच्चे से दोस्ती गांठी और उसे मोबाइल फोन दिलाने और बाहर घुमाकर लाने के बहाने बाइक से नायगांव ले गए। डीसीपी काले ने बताया कि बच्चे की हत्या करने के बाद आरोपी मीरा रोड आए और उसके परिवार वालों से मिले भी। उनसे फोन नंबर का आदान-प्रदान किया और मयंक का पता चलने पर उन्हें बताने का भरोसा भी दिया। बच्चे को छुपाने के लिए जगह न होने और पकड़े जाने के डर से घबराकर आरोपियों ने बच्चे की हत्या कर दी। बाद में बच्चे का सिम अपने मोबाइल में डालकर फिरौती मांगी। डीसीपी काले ने कहा कि अगवा करने के दो घंटे के भीतर ही आरोपियों ने बच्चे की हत्या कर दी और 4-5 घंटे में पुलिस उन्हें पकड़ लिया। बच्चे की खोजबीन में पुलिस ने पूरी तत्परता और सक्रियता दिखाई थी।

राकांपा ने मोदी सरकार पर साधा निशाना

मुंबई : राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने बुधवार को महंगाई, बेरोजगारी और डालर के मुकाबले रुपये की कीमत में भारी गिरावट को लेकर मोदी सरकार पर निशाना साधा। महाराष्ट्र राकांपा के मुख्य प्रवक्ता महेश तापसे ने आरोप लगाया कि खराब आर्थिक स्थिति के कारण युवा निराश हैं। उन्होंने कहा कि उज्ज्वला योजना के 4.13 करोड़ लाभार्थियों ने पिछले पांच साल में एक बार भी अपना सिलेंडर नहीं भरवाया, जबकि 7.67 करोड़ लाभार्थियों ने पांच साल में सिर्फ एक बार अपना सिलेंडर भरवाया है। तापसे ने कहा कि मंगलवार को सीएनजी और पीएनजी की कीमतों में की गई बढ़ोतरी एक साल में करीब नौवीं बढ़ोतरी है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र सरकार के पास गरीबों, आदिवासियों, किसानों और बाढ़ प्रभावित लोगों को राहत देने का समय नहीं है।

मुंबई में सीएनजी ८६ रुपए प्रति किलो

मुंबई : देश में सीएनजी वाहनों में इस्तेमाल किया जानेवाला प्रमुख ईंधन है। एक समय यह पेट्रोल-डीजल से काफी सस्ता ईंधन था। मगर अब इसके बार-बार बढ़ते दामों ने लोगों को काफी परेशान कर दिया है। अब एक बार फिर सीएनजी ने वाहन चालकों को जोर का झटका दिया है। इसके दाम एक बार फिर ६ रुपए बढ़ गए हैं। मुंबई में अब सीएनजी आज से ८० रुपए से बढ़कर ८६ रुपए प्रति किलो हो गया है। इसके साथ ही पीएनजी के दाम में भी ४ रुपए की बढ़ोतरी कर दी गई है। बता दें कि देश में करीब दो महीने से पेट्रोल और डीजल के दाम में सरकारी तेल कंपनियों ने कोई बदलाव नहीं किया है। हालांकि दूसरी तरफ सीएनजी के दाम में थोड़े-थोड़े वक्त में बदलाव देखा जा रहा है। अब कुछ जगहों पर सीएनजी के दाम पेट्रोल की कीमत के

बराबर भी हो चुके हैं या उससे ज्यादा भी हो गए हैं। उत्तर प्रदेश में पहले सीएनजी के दाम पेट्रोल और डीजल से भी कम होते थे लेकिन अब सीएनजी भी लोगों को काफी महंगी पड़ रही है। लखनऊ में सीएनजी के ९६ रुपए प्रति किलो होने की खबर है। बता दें कि लोगों पर महंगाई का वार थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब कुछ जगहों पर सीएनजी के दाम बढ़ने से लोगों का बजट गड़बड़ा रहा है। इस साल मार्च के बाद से ही सीएनजी के दामों में इजाफा देखने को मिल रहा है।

डोंबिवली शिवसेना शाखा को लेकर शिंदे और ठाकरे गुट के बीच झड़प

ठाणे : मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की बगावत के चलते फिलहाल शिवसेना दो गुटों बंटी हुई है। ऐसे में दोनों गुटों में शिवसेना शाखा को अपने कब्जे में करने को होड़ मची है। इसी बीच डोंबिवली में ठाकरे समूह और शिंदे समूह के शिवसैनिक एक दूसरे के आमने-सामने आ गए और दोनों गुटो के बीच मारपीट होने का मामला सामने आया है। एकनाथ शिंदे गुट के कार्यकर्ता डोंबिवली में शिवसेना की मुख्य शाखा में घुसे। वहां एकनाथ शिंदे और श्रीकांत शिंदे की तस्वीरें लगाई। इस सब के चलते डोंबिवली केंद्रीय शाखा में ठाकरे के शिवसैनिकों और शिंदे समर्थकों के बीच जमकर गाली-गलौज और हाथापाई हुई। इस झड़प के दौरान दोनों पक्षों के कार्यकर्ता गुस्से में दिखे। जिसके कारण इलाके में तनावपूर्ण स्थिति बन गई।

आरोप है कि शिंदे गुट के 500 लोगों

ने शिवसेना शाखा में घुसकर शाखा पर कब्जा करने की कोशिश की। इस मौके पर ठाकरे समर्थक शिवसैनिक और शिंदे समर्थक शिवसैनिक जैसे महिला शिवसैनिक, युवा और पुरुष शिवसैनिक आपस में भिड़ गए। कुछ देर बाद रामनगर पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलीस ने मध्यस्थता करने का प्रयास किया लेकिन स्थिति नियंत्रण से बाहर रही और दोनों पक्षों के समर्थकों के बीच आपसी झड़प हो गई। शिंदे समर्थकों ने शाखा में घुसकर ठाकरे समूह के शिवसेना पदाधिकारियों को शाखा छोड़ने के लिए कहा, उनका ठाकरे समूह के शहर प्रमुख विवेक खामकर ने विरोध किया। लेकिन दंगा करने की नीयत से शाखा में घुसे शिंदे समर्थकों ने खामकर के साथ मारपीट की और उनका कॉलर पकड़कर शाखा से बाहर निकाल दिया। ठाकरे समूह के शिवसैनिकों ने आरोप लगाया कि खामकर का बचाव करने के लिए दौड़ने वाली महिला पदाधिकारियों पर भी हाथ उठाया गया और उनसे भी मारपीट की गई।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैजल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नंबर 3-4, अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट, सोनावाला क्रॉस रोड नंबर 12, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई - 63 से छपवाकर रूम नंबर 15 रमजान बिन 17- सी, वंजावडी, माहिम (वेस्ट), मुंबई - 400016 से प्रकाशित किया . संपर्क कार्यालय 1 ए, ग्राउंड फ्लोर, साहिल मेन्शन, बालमिया लेन, माहिम (वेस्ट), मुंबई - 400016.
मोबाइल नंबर 9987775650 व्हाट्सएप नंबर 9987775650 ईमेल- editor@rokthoklekhaninews.com -किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र मुंबई होगा!